



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 251]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 4, 2013/कार्तिक 13, 1935

No. 251]

NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 4, 2013/KARTIKA 13, 1935

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबंध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 2013

अंतिम जांच परिणाम

विषय : बेलारूस के मूल के अथवा वहां से निर्यातित नायलान टायर कार्ड फेब्रिक के आयातों पर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा ।

सं. 15/28/2011-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है) और उसके अंतर्गत बने समय-समय पर यथासंशोधित, सीमाशुल्क प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. पृष्ठभूमि

2. निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी भी कहा गया है) ने बेलारूस (जिसे एतदपश्चात सम्बद्ध देश कहा गया है) के मूल के अभाव वहां से निर्यातित नायलान टायर कार्ड फेब्रिक (जिसे एतदपश्चात सम्बद्ध वस्तु कहा गया है) पर निर्णयक पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हुए दिनांक 29.09.2009 की अधिसूचना सं. 14/09/2008-डीजीएडी के तहत अंतिम जांच परिणाम जारी किया था।

3. यतः, केन्द्रीय सरकार ने दिनांक 30.10.2009 की सीमाशुल्क अधिसूचना संख्या 121/2009-सीमाशुल्क के तहत सम्बद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर निर्णायक पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित किया था।

4. और यतः, जेएससी ग्रोडनो एजाट, उत्पादन एवं प्रौद्योगिकीय परिसर “खिम्वोलोकनो”, यूआई, स्लाविन्स्कोगो, 4, 230026, ग्रोडनो, बेलारूस गणराज्य ने ग्रोडनो खिम्वोलोकनो से “जेएससी ग्रोडनो खिम्वोलोकनो” से बदलकर “जेएससी ग्रोडनो एजाट” करने के लिए एक आवेदनपत्र दायर किया है। मूल जांच की संगत सीमाशुल्क अधिसूचना तथा अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में सम्बद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण ग्रोडनो खिम्वोलोकनो, बेलारूस तथा कैप्स्को प्राइवेट लिमिटेड, सिंगापुर के उत्पादकों/निर्यातकों पर संयुक्त रूप से किया था।

5. और, इसके पश्चात पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार प्राधिकारी ने बेलारूस के निर्यातक/उत्पादक द्वारा नाम में परिवर्तन किए जाने के अनुरोध की जांच करने और निर्णय लेने के लिए मध्यावधि समीक्षा जांच प्रारंभ करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में दिनांक 20 फरवरी, 2013 को प्रकाशित एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया। अतः, वर्तमान समीक्षा दिनांक 29.09.2009 की अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना संख्या 14/09/2008-डीजीएडी और दिनांक 30.10.2009 की सीमा शुल्क अधिसूचना सं.121/2009-सीमा शुल्क के सम्बंध में जेएससी ग्रोडनों द्वारा दावा किए गए केवल “नाम परिवर्तन” के पहलुओं तक ही सीमित है।

#### ख. प्रक्रिया

6. इस जांच में निम्नलिखित वर्णित प्रक्रिया का अनुसरण किया गया है:

- i. इस जांच की शुरुआत के बारे में, पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार सम्बद्ध देशों के भारत स्थित राजदूतावासों को सूचित किया गया।
- ii. प्राधिकारी ने 20 फरवरी, 2013 की जांच शुरुआत अधिसूचना की प्रतियां सम्बद्ध देशों के राजदूतावासों और उपलब्ध जानकारी के अनुसार भारत में सम्बद्ध वस्तु के जात उत्पादकों को भेजी। इस जांच के पक्षकारों से अनुरोध किया गया कि वे अपने प्रत्युत्तर दर्ज करे और निर्धारित समय सीमा के अंदर अपने विचारों से लिखित रूप में अवगत कराएं।
- iii. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि का निर्धारण नहीं किया गया था क्योंकि जांच के दायरे को सम्बद्ध देश के निर्यातक का नाम परिवर्तन करने तक सीमित कर दिया था।
- iv. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय पाठ हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए एक सार्वजनिक फाइल के रूप में खुला रखा।
- v. प्राधिकारी ने इस तरह प्रदान कराई गई सूचना की परिशुद्धता एवं समौचित्यता के लिए परिवर्तित परिस्थिति के संबंध में निर्यातक द्वारा प्रदान कराई गई सूचना की जांच की।
- vi. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार दिनांक 10 जून, 2013 को आयोजित एक सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप से व्यक्त करने के लिए भी सभी हितबद्ध पक्षकारों को अवसर प्रदान किया। जिन पक्षकारों ने इस सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार व्यक्त किए उनसे अनुरोध किया गया कि वे मौखिक रूप से व्यक्त अपने विचारों का लिखित प्रस्तुतिकरण भी करें और उसके बाद उसका प्रत्युत्तर भी प्रस्तुत करें। हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित प्रस्तुतिकरणों और उनके प्रत्युत्तरों में प्रस्तुत किए गए तर्कों पर वर्तमान जांच के लिए संगत समझी गई सीमा तक प्रकटन विवरण में विचार किया गया।
- vii. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान कराई गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने यथावांछित गोपनीयता के दावे को स्वीकार

कर लिया और उस सूचना को गोपनीय के रूप में मान लिया गया तथा उसका अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन नहीं किया गया। गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान कराने वाले पक्षकारों को, जहां कहीं संभव हुआ, गोपनीय आधार पर दर्ज सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ प्रदान कराने का निदेश भी दिया गया।

viii. वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान जहां कहीं किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने आवश्यक सूचना की पहुंच तक मनाही की हो अथवा अन्यथा पर्याप्त सूचना प्रदान न कराई हो अथवा जांच में पर्याप्त अवरोध उत्पन्न किया हो वहां प्राधिकारी ने इस मुद्दे की जांच उपलब्ध तथ्यों के आधार पर की।

ix. पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी के समक्ष विचाराधीन आवश्यक तथ्यों का जात हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 27 सितम्बर, 2013 को प्रकटन किया गया।

x. वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त प्रस्तुतिकरणों और प्रकटन विवरण पर प्राप्त टिप्पणियों पर इस अंतिम जांच परिणाम में, संगत समझी गई सीमा तक विचार किया गया है।

xi. इस अंतिम जांच परिणाम \*\*\* चिन्हित जानकारी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का प्रतिनिधित्व करती है और प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत उस पर उसी रूप में विचार किया है।

#### ग. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया प्रस्तुतिकरण

7. बेलारूस के आवेदक निर्यातक मैसर्स जेएसी ग्रोडनो एजाट द्वारा जांच की प्रक्रिया के दौरान निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए गए:

i. वर्तमान समीक्षा का दायरा केवल नाम परिवर्तन तक सीमित है। निर्यातक का नाम परिवर्तन जेएससी “ग्रोडनो खिम्वोलोकनों” की सम्बद्धता जेएससी “ग्रोडनों एजाट” के साथ करके पुनर्गठन के परिणामस्वरूप जेएससी “ग्रोडनो खिम्वोलोकनों” का विलयन जेएससी “ग्रोडनों एजाट” के साथ होने और जेएससी “ग्रोडनों खिम्वोलोकनों” की अवस्थिति समाप्त हो जाने के कारण अनिवार्य हो गया है।

ii. आवेदनपत्र और इन प्रस्तुतिकरणों में प्रयोग किया गया वाक्यांश: “संबद्धता” का आशय “विलयन” से है।

iii. जेएससी “ग्रोडनो एजाट” जेएससी “ग्रोडनो खिम्वोलोकनों” के सभी अधिकारों एवं प्रतिबद्धताओं का उत्तराधिकारी बन गया। प्राधिकारी द्वारा विगत में “ग्रोडनों खिम्वोलोकनों” पर लगाया गया व्यक्तिगत पाटनरोधी शुल्क कोई अपवाद नहीं है और उसे जेएससी “ग्रोडनो एजाट” पर भी लागू किए जाने की जरूरत है।

iv. यह विलयन बेलारूस की प्रचलित विधि के अनुरूप किया गया है जैसाकि इस विलयन के प्रमाणपत्र से स्पष्ट है और इस नाम परिवर्तन की विधिक शुचिता के सम्बंध में घरेलू उद्योग की कोई भी आशंका असमर्थनीय है।

v. भारतीय पाटनरोधी नियमों में भी इस तरह के नाम परिवर्तन का निषेध किए जाने का कोई प्रावधान नहीं है और प्राधिकारी को उस पक्षकार/निर्यातक जिसने विगत में प्राधिकारों अपना पूरा-पूरा सहयोग दिया हो के नाम में, जहां कहीं आवश्यक हो परिवर्तन को निगमित करने के लिए वर्तमान अधिसूचना में संशोधन करने के लिए स्वविवेक का प्रयोग करने का पूरा अधिकार है।

vi. चूंकि ग्रोडनो खिम्वोलोकनो अब जेएससी ग्रोडनो एजाट के साथ सम्बद्ध है इसलिए ग्रोडनो खिम्वोलोकनों पर लागू सभी शुल्क अब जेएससी ग्रोडनों एजाट के नाम पर लागू होंगे। अतः, बेलारूस से एनटीसीएफ के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क से सम्बंधित प्रभावी अधिसूचना में ग्रोडनो खिम्वोलोकनों के नाम के स्थान पर जेएससी ग्रोडनो एजाट का नाम प्रतिबिम्बित करने के लिए संशोधन किया जा सकता है।

vii. घरेलू उद्योग का यह तर्क कि सम्बद्ध निर्यातक ने भारत को कोई भी निर्यात नहीं किया है वर्तमान जांच में तथ्य परक या विधिक रूप से संगत नहीं है। वर्तमान मामला आवेदक के कानूनी अधिकारों को बहाल करने के

लिए केवल नाम परिवर्तन से सम्बंधित मामला है। माननीय प्राधिकारी द्वारा विगत में जांच द्वारा आवेदक को प्रदान कराए गए कानूनी अधिकार मौजूदा अधिसूचना में उपयुक्त परिवर्तन करके ही बहाल किए जा सकते हैं।

viii. नाम परिवर्तन के सम्बंध में व्यक्तिगत शुल्क और अवशिष्ट शुल्क में अंतर का महत्व संगत नहीं है क्योंकि निर्यातक केवल अपने विधिक अधिकारों की मांग कर रहा है। घरेलू उद्योग का यह आरोप कि निर्यातक का इरादा एवं उद्देश्य स्पष्ट नहीं है वर्तमान समीक्षा प्रक्रिया को हतोत्साहित करने के अलावा और कुछ नहीं है। पक्षकारों के “इरादे” की माप करने का पाटनरोधी नियमावली में कोई नियम नहीं है और इस कारण इस आक्षेप का कोई विधिक आधार नहीं है।

ix. घरेलू उद्योग का यह आरोप गलत है कि निर्यातक मौखिक सुनवाई के समय “सम्बद्धता के कारण पुनर्गठन” का आशय स्पष्ट नहीं कर सका। निर्यातक ने मौखिक सुनवाई के समय यह कहकर साफ-साफ उत्तर दिया कि “सम्बद्धता के पुनर्गठन” विलयन के अलावा और कुछ नहीं है।

x. विलयन के पश्चात् भी कम्पनी के विधिक ढांचे में कोई परिवर्तन नहीं हुआ क्योंकि यह अभी भी बेलारूस जनवादी गणराज्य का राज्य उद्योग है। “ग्रोडनो खिम्वोलोकनो” के शेयर जेएससी “ग्रोडनो एजाट” के साथ विलय हो गए जिससे “ग्रोडनो खिम्वोलोकनो” नामक निकाय समाप्त हो गया। अतः उसके विधिक ढांचे तथा रूपात्मकताओं के सम्बंध में घरेलू उद्योग की आशंका और तर्क असंगत हैं। यह पुनः दोहराया जाता है कि वर्तमान समीक्षा के दायरे में केवल निर्यातक का नाम परिवर्तन शामिल है।

xi. वर्तमान समीक्षा का दायरा केवल नाम परिवर्तन तक प्रतिबंधित है। यह पहले ही स्पष्ट कर दिया गया है कि विलयन के पश्चात् भी कंपनी की विधिक स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं आया क्योंकि यह अभी भी बेलारूस जनवादी गणराज्य का एक उद्योग है। “ग्रोडनो खिम्वोलोकनो” के सभी शेरों का विलयन जेएसजी “ग्रोडनो एजाट” के साथ हो गया जिससे “ग्रोडनो खिम्वोलोकनो” का अस्तित्व समाप्त हो गया। अतः पाटन मार्जिन का नए सिरे से निर्धारण किए जाने के सम्बंध में घरेलू उद्योग का तर्क मान्य नहीं है क्योंकि समीक्षा का दायरा स्वयं में ही नाम परिवर्तन तक सीमित है।

xii. वर्तमान अनुरोध निर्यातक के विधिक दायित्वों को फिर से बहाल करना है जो अधिसूचना में नाम परिवर्तन निर्गमित करने के लिए आवश्यक संशोधन करके किया जा सकता है। घरेलू उद्योग की निर्यातक की विस्तार योजना, क्षमता विस्तार आदि से सम्बंधित आशंकाओं का कोई महत्व नहीं है क्योंकि वर्तमान समीक्षा का दायरा केवल नाम परिवर्तन तक सीमित है। इन आशंकाओं का कोई तथ्य या आधार नहीं है। निर्यातक ने पहले ही प्राधिकारी के साथ सहयोग दिया और परिस्थितियों में केवल परिवर्तन जिसकी बजट से वर्तमान समीक्षा की आवश्यकता पड़ी निर्यातक का नाम परिवर्तन है।

xiii. वर्तमान मामला केवल नाम परिवर्तन के बारे में है जिससे कि आवेदक के वर्तमान कानूनी अधिकार फिर से बहाल किए जा सके जो अन्य पक्षकारों के हित के रास्ते में किसी भी रूप में बाधक नहीं होंगे।

8. जांच की प्रक्रिया के दौरान प्रत्युत्तरदाता घरेलू उत्पादक ने निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण किए हैं—

i. वर्तमान समीक्षा का दायरा केवल नाम परिवर्तन तक सीमित है। जब तक यह वर्तमान समीक्षा नाम परिवर्तन तक सीमित है घरेलू उद्योग को इस परिवर्तन में, यदि यह विधि के अनुसार किया जाता है तो, कोई आपत्ति नहीं है।

ii. बेलारूस से विचाराधीन उत्पाद का वर्ष 2009-10 से कोई जात आयत नहीं हुआ है। नाम में परिवर्तन भी अभी हाल ही में हुआ है। तथापि, विगत में भी कोई निर्यात नहीं हुआ। अतः यह स्पष्ट है कि निर्यातक पाटन का आशय लिए बिना निर्यात करने में अक्षम है।

iii. उपरिनामित निर्यातक पर पाटनरोधी शुल्क 0.77 अमरीकी डालर प्रति किग्रा. था जबकि अवशिष्ट शुल्क 0.99 अमरीकी डालर प्रति किग्रा. है। उपरिनामित निर्यातक के नाम पर पाटनरोधी शुल्क तथा अवशिष्ट श्रेणी के बीच अंतर इतना अधिक नहीं है जो ऐसी स्थिति दर्शा सके जहां निर्यातक अवशिष्ट शुल्क के साथ निर्यात नहीं कर सकता है परंतु वह नाम में परिवर्तन कर दिए जाने और विशिष्ट शुल्क लगा दिए जाने के पश्चात ही निर्यात करने में सक्षम होगा। अतः वर्तमान समीक्षा का आवेदक का उद्देश्य या इरादा घरेलू उद्योग को स्पष्ट नहीं है।

iv. “सम्बद्धता से पुनर्गठित” का आशय स्पष्ट नहीं है। विधिक ढांचे में परिवर्तन को समझना अत्यधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका परिणामी पाटन मार्जिन पर सीधा प्रभाव पड़ेगा।

v. यह भी स्पष्ट नहीं है कि निर्यातक किस तरह उसी पाटनरोधी शुल्क की प्रमात्रा का हकदार है। पाटन मार्जिन की दोनों अनिवार्य अंतरवस्तुएं अर्थात् सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत सम्बन्धित निर्यातक की कम्पनी विशिष्ट व्यवहार हैं। अतः प्रबंधन में परिवर्तन के साथ-साथ सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत में भी परिवर्तन होगा जिससे अत्यधिक अनिवार्य होगा।

vi. इस सम्बन्ध में यह उल्लेख करना भी संगत है कि निर्यातक की भारी योजनाएं भी समान रूप से संगत हैं। यदि निर्यातक अपनी क्षमताओं में विस्तार कर रहा है या अपने प्रचालनों का पुनर्गठन करने की योजना बना रहा है तो इसका अनुवर्ती प्रभाव यह होगा कि इसके व्यवहार में भारी परिवर्तन होगा जिससे पाटन मार्जिन में भी परिवर्तन होगा।

#### हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन पश्चात् की गई टिप्पणियां

9. बेलारूस के आवेदक निर्यातक मैसर्स जेएससी ग्रोडनो एजाट द्वारा प्रकटन पश्चात् कोई भी संगत टिप्पणी नहीं की गई।

10. प्रत्युत्तरदाता घरेलू उत्पादक द्वारा प्रकटन पश्चात् निम्नलिखित टिप्पणियां की गईं :

i. नाम में परिवर्तन तो अभी हाल ही में हुआ है। तथापि, विगत में कोई निर्यात तो किया ही नहीं गया। इस प्रकार निर्यातक इस उत्पाद का निर्यात मार्जिन के बिना करने में अक्षम है।

ii. नामित निर्यातक के नाम पर पाटनरोधी शुल्क और अवशिष्ट श्रेणी में शुल्क में अंतर इतना अधिक नहीं है जिससे ऐसी स्थिति प्रदर्शित हो जहां निर्यातक अवशिष्ट शुल्क पर निर्यात न कर सके, परंतु वह नाम में परिवर्तन कर दिए जाने के पश्चात् ही निर्यात कर सके। अतः निर्यातक द्वारा नाम में परिवर्तन किए जाने की मांग का उद्देश्य स्पष्ट नहीं है।

iii. पाटन मार्जिन कम्पनी विशिष्ट होने के कारण निर्यातक के निर्णय करने से जुड़ा होता है और इसका निर्धारण उसके मालिक द्वारा किया जाता है। स्वामित्व में परिवर्तन होने से निर्णय करने की प्रक्रिया में भी परिवर्तन हो सकता है, जिसके परिणामस्वरूप सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत में परिवर्तन हो सकता है और इस प्रकार भारी पाटन हो सकता है।

#### प्राधिकारी द्वारा जांच

11. जांच में प्रक्रिया के दौरान तथा प्रकटन पश्चात् स्तर पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरणों/विचारों/टिप्पणियों का समाधान निम्नवत किया गया है:-

i. नाम में परिवर्तन करने के लिए आवेदनपत्र जेएससी ग्रोडनो एजाट द्वारा दायर किया गया है। एनटीसीएफ से सम्बन्धित मूल पाटन रोधी जांच में “ग्रोडनो खिम्वोलोकनो” बेलारूस के एक निर्यातक/उत्पादक ने प्राधिकारी के साथ सहयोग किया था और सम्बद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क ग्रोडनो खिम्वोलोकनो, बेलारूस और मैसर्स कैप्सको प्राइवेट लिमिटेड सिंगापुर के संयुक्त

निर्यातक/उत्पादक पर अधिरोपित किया गया था। आवेदक द्वारा यह प्रस्तुतीकरण किया गया है कि उत्पादक/निर्यातक के नाम में परिवर्तन किया जाना जेएससी “ग्रोडनो खिम्वोलोकनो” की जेएससी “ग्रोडनो एजाट” के कारण सम्बद्धता हो जाने के परिणामस्वरूप पुनर्गठन होने के कारण आवश्यक हो गया था इसके परिणामस्वरूप जेएससी “ग्रोडनो खिम्वोलोकनो” का जेएससी “ग्रोडनो एजाट” के साथ विलयन हो गया और जेएससी “ग्रोडनो खिम्वोलोकनो” की अवस्थिति समाप्त हो गई। जेएससी ‘ग्रोडनो एजाट’ जेएससी “ग्रोडनो खिम्वोलोकनो” के समस्त अधिकारों एवं दायित्वों के लिए उत्तराधिकारी बन गया। अतः प्राधिकारी यह उत्पादित करते हैं कि दिनांक 30.10.2009 की सीमा शुल्क अधिसूचना के तहत “ग्रोडनो खिम्वोलोकनो” पर लगाया गया व्यक्तिगत पाटनरोधी शुल्क अब जेएससी “ग्रोडनो एजाट” पर लागू किए जाने की आवश्यकता है।

ii. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आवेदन द्वारा इस विलयन के सम्बंध में प्राधिकारी को प्रदान कराए गए प्रमाणपत्र के आधार पर यह विलयन बेलारुस के प्रचलित कानून के अनुसार हुआ।

iii. सम्बद्धता द्वारा पुनर्गठन के आशय के मुद्दे के सम्बंध में निर्यातक ने यह स्पष्ट किया है कि वाक्यांश “सम्बद्धता द्वारा पुनर्गठन” का आशय विलयन से है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जेएससी “ग्रोडनो एजाट” जेएससी “ग्रोडनो खिम्वोलोकनो” के सभी अधिकारों एवं दायित्वों का उत्तराधिकारी बन गया। प्राधिकारी पुनः नोट करते हैं कि विलयन के पश्चात कंपनी के विधिक ढांचे में कोई परिवर्तन नहीं हुआ और नई कंपनी अभी भी बेलारुस जनवादी गणराज्य की राज्य इकाई बनी हुई है। जेएससी “ग्रोडनो खिम्वोलोकनो” के सभी शेयर्स जेएससी “ग्रोडनो एजाट” में विलय हो गए और अब “ग्रोडनो खिम्वोलोकनो” का कोई अस्तित्व नहीं रह गया है।

iv. जांच शुरुआत अधिसूचना में भी यह स्पष्ट किया गया था कि वर्तमान समीक्षा का दायरा केवल नाम परिवर्तन तक सीमित है और इस सम्बंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न प्रस्तुतिकरणों पर विचार किया गया और उनकी विस्तार से जांच की गई।

v. प्राधिकारी यह उत्पादित करते हैं कि प्रत्युत्तरदाता घरेलू उत्पादकों द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दों का आवेदक के नाम परिवर्तन से कोई सम्बंध नहीं है।

vi. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि प्रत्युत्तरदाता घरेलू उत्पादकों द्वारा प्रकटन पश्चात किए गए प्रस्तुतिकरणों सम्बंधी टिपा॥॥॥पणियां प्रकल्पित प्रवृत्ति की हैं और उनमें साक्ष्यों द्वारा प्रमाणित तथ्यों का अभाव है।

#### निष्कर्ष एवं सिफारिशें

12. प्राधिकारी ने दिनांक 29.09.2009 की अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना संख्या 14/09/008-डीजीएडी के तहत पाटनरोधी शुल्क का निम्नवत अधिरोपण करने की सिफारिश की थी।

“107 प्राधिकारी द्वारा न्यूनतम शुल्क नियम का अनुपालन किए जाने के संबंध में प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के न्यूनतर के बराबर पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित करने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग की क्षति दूर की जा सके। तदनुसार, बेलारुस के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर, अधोलिखित तालिका कालम संख्या 9 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क इस अधिसूचना की तारीख से अधिरोपित की जाती है।

क्र. सं.	शीर्षक/उपशीर्षक	क्षेत्र विवरण	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	यूनिट	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	5902.10	एनटीसीएफ	सभी ग्रेड	बेलारुस	सिंगापुर	ग्रोडनो	कैम्ब्रिज	0.77	किग्रा	अमरीकी

						खिम्बोलोकनो	प्राइवेट लिमिटेड			डालर
2	5902.10	एनटीसीएफ	सभी ग्रेड	बेलारुस	बेलारुस	ग्रोडनो खिम्बोलोकनो	ग्रोडनो खिम्बोलोकनो	0.77	किग्रा	अमरीकी डालर
3	5902.10	एनटीसीएफ	सभी ग्रेड	बेलारुस	बेलारुस	उपर्युक्त 2 के अलावा कोई अन्य संयोजन		0.92	किग्रा	अमरीकी डालर
4	5902.10	एनटीसीएफ	सभी ग्रेड	बेलारुस	बेलारुस के अलावा कोई अन्य देश	उपर्युक्त 1 पर दिये गए के अलावा कोई अन्य संयोजन		0.92	किग्रा	अमरीकी डालर
5	5902.10	एनटीसीएफ	सभी ग्रेड	उनदेश/ देशों के अलावा कोई अन्य देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगा है	बेलारुस	कोई	कोई	0.92	किग्रा	अमरीकी डालर

13. बेलारुस से निर्यातक के आवेदन पत्र, मैसर्स जेएससी ग्रोडनो एजाट तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण सहित इस मामले के सभी पहलुओं पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि जांच से यह सिद्ध हो गया है कि जेएससी “ग्रोडनो एजाट” जेएससी “ग्रोडनो खिम्बोलोकनो” के सभी अधिकारों एवं प्रतिबद्धताओं का उत्तराधिकारी हो गया। विलयन के पश्चात भी कंपनी के विधिक ढांचे में कोई परिवर्तन नहीं आया और नई कंपनी अभी भी बेलारुस जनवादी गणराज्य का राज्य उद्योग बनी हुई है। “ग्रोडनो खिम्बोलोकनो” के सभी शेयरों का जेएससी “ग्रोडनो एजाट” में विलयन हो गया है जिससे “ग्रोडनो खिम्बोलोकनो” का अस्तित्व समाप्त हो गया है। इस परिवर्तन के कारण उत्पादक/निर्यातक के नाम में और उक्त उत्पादक/निर्यातक पर पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हुए की गई अधिसूचना में बदलाव किया जाना आवश्यक हो गया है।

14. तदनुसार प्राधिकारी दिनांक 29 सितम्बर, 2009 की अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 14/09/2008-डीजीएडी के पैरा 107 में निम्नलिखित संशोधन किए जाने की सिफारिश करते हैं:

- कालम संख्या 7 के क्रम संख्या 1 में उत्पादक के नाम “ग्रोडनो खिम्बोलोकनो” में संशोधन करके उसे “जेएससी ग्रोडनो एजाट” पढ़ा जाए।
- कालम संख्या 7 के क्रम संख्या 2 में उत्पादक के नाम “ग्रोडनो खिम्बोलोकनो” में संशोधन करके उसे “जेएससी ग्रोडनो एजाट” के रूप में पढ़ा जाए।
- कालम संख्या 8 के क्रम संख्या 2 में निर्यातक का नाम “ग्रोडनो खिम्बोलोकनो” में संशोधन करके उसे “जेएससी ग्रोडनो एजाट” के रूप में पढ़ा जाए।

15. इस आदेश से उत्पन्न होने वाले केन्द्रीय सरकार के आदेशों के विरुद्ध अपील अधिनियम के अनुसार सीमा-शुल्क, उत्पाद कर और सेवाकर अपीलीय अधिकरण में की जा सकती है।

जे. एस. दीपक, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**  
**(Department of Commerce)**  
**(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)**  
**NOTIFICATION**

New Delhi, the 4<sup>th</sup> November, 2013

**FINAL FINDINGS**

**Subject : Mid Term Review of the anti-dumping duty imposed on the imports of Nylon Tyre Cord Fabric, originating in or exported from Belarus.**

**F. No. 15/28/2011-DGAD** – Having regard to the Customs Tariff Act 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Rules) thereof;

**A. BACKGROUND**

2. The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) had issued its final findings vide Notification No.14/09/2008-DGAD dated 29.09.2009 recommending definitive anti-dumping duty on the imports of Nylon Tyre Cord Fabric (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from Belarus (hereinafter also referred to as the subject country).

3. Whereas the Central Government, vide Customs Notification No.121/2009-Customs dated 30.10.2009, had imposed definitive anti-dumping duty on the imports of the subject goods originating in or exported from the subject country.

4. And whereas JSC Grodno Azot, Production & Technological Complex, "Khimvolokno", Ul. Slavinskogo, 4, 230026, Grodno, Republic of Belarus, has filed an application for change of name of the producer/exporter in the relevant Customs Notification from 'Grodno Khimvolokno' to "JSC Grodno Azot", following the affiliation of Grodno Khimvolokno to JSC Grodno Azot. In the Final Findings Notification as well as in the relevant Customs Notification of the original investigation, the anti-dumping duty on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country has been imposed on the producer/exporter combination of Grodno Khimvolokno, Belarus and Kapsco Private Ltd; Singapore.

5. And, whereupon in accordance with Section 9A(5) of the Act, read with Rule 23 of the Anti-dumping Rules, the Authority issued a public notice dated 20<sup>th</sup> February, 2013, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the Mid Term Review investigation for examining and deciding the change of name requested by the exporter/producer from Belarus. Thus, the present review is limited to the aspect of only the 'name change' claimed by JSC Grodno Azot with regard to the Final Finding Notification No.14/09/2008-DGAD dated 29.09.2009 and Customs Notification No. 121/2009-Customs dated 30.10.2009.

**B. PROCEDURE**

6. In this investigation, the procedure described herein-below has been followed:

- i. The embassy of the subject country in India was informed about the initiation of the investigation, in accordance with Rule 6(2) of the AD Rules.
- ii. The Authority sent copies of initiation notification dated 20<sup>th</sup> February, 2013, to the embassy of the subject country and known producers of subject goods in India as per the available information. Parties to this investigation were requested to file their responses and make their views known in writing within the prescribed time limit.
- iii. There was no period of investigation set for the purpose of the present investigation as the scope of the investigation was restricted to the change of name of the exporter from the subject country.
- iv. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by the interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.

- v. The Authority has examined the information furnished by the exporter with regard to the changed circumstance for accuracy and adequacy of the information so provided.
- vi. In accordance with Rule 6(6) of the Anti-dumping Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in the public hearing held on 10<sup>th</sup> June, 2013. The parties which presented their views in the public hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally followed by rejoinders. The arguments made in the written submissions and rejoinders thereon received from the interested parties to the extent considered relevant for the present investigation have been considered in the Disclosure Statement.
- vii. Information provided by interested parties on 'confidential basis' was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- viii. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has examined the issue on the basis of the 'facts available'.
- ix. In accordance with the Rule 16 of the Anti-dumping Rules, the essential facts under consideration before the Authority were disclosed to the known interested parties on 27<sup>th</sup> September, 2013.
- x. The submissions received from the interested parties during the course of the present investigation including the comments received on the disclosure statement, to the extent considered relevant, have been considered in this final finding.
- xi. \*\*\* marked in this Final Findings represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Anti-dumping Rules.

### **C. SUBMISSIONS MADE BY INTERESTED PARTIES**

7. The following are the submissions made by M/s JSC Grodno Azot, the applicant exporter from Belarus during the course of the investigation:

- i) The scope of the present review is limited to change of name only. The name change of the exporter has become inevitable as a result of reorganization by affiliation of JSC "Grodno Khimvolokno" with JSC "Grodno Azot" which resulted in the merger of JSC "Grodno Khimvolokno" with JSC "Grodno Azot" and the entity JSC "Grodno Khimvolokno" ceased to exist.
- ii) The term 'affiliation' used in the application and also in these submissions denotes 'merger'.
- iii) JSC "Grodno Azot" became a successor in all rights and obligations of JSC "Grodno Khimvolokno". The individual anti-dumping duties conferred by the Authority in the past on "Grodno Khimvolokno" is not any exception and the same also needs to be made applicable to JSC "Grodno Azot".
- iv) Such merger has occurred as per the prevailing Belarusian law which is evident from the certificate of such merger and hence any apprehension of domestic industry with regard to the legal sanctity of the name change is untenable.
- v) Even the Indian AD rules do not contain any provision prohibiting such change in name and wherever warranted the Authority has absolute discretion to amend the existing notification to incorporate the change in the name of a party/exporter that had extended complete cooperation to the Authority in the past.
- vi) Since Grodno Khimvolokno is now affiliated with JSC Grodno Azot, the duties applicable on Grodno Khimvolokno should now be made applicable in the name of JSC Grodno Azot. Thus, the notification in force with regard to anti-dumping duties on imports of NTCF from Belarus may please be modified to reflect the name JSC Grodno Azot instead of Grodno Khimvolokno.
- vii) The contention of the domestic industry that the subject exporter has not made any exports to India has no factual or legal relevance in the present investigation. The present case is all about a name change to restore the legal rights of the applicant. The legal rights conferred upon the applicant by way of an investigation by the Hon'ble Authority in the past can now be restored only through suitable amendments in the existing notification.

- viii) The significance of difference in individual duty and residual duty is not of any relevance with regard to the name change as the exporter is seeking only restoration of its legal right. The allegation of the domestic industry that the intention and objective of the exporter is not clear is nothing but to frustrate the present review process. There is no provision in AD rules to measure any 'intention' of the parties and hence the allegation has no legal basis.
- ix) The allegation of domestic industry that the exporter could not clarify the meaning of 'reorganized by way of affiliation' at the time of oral hearing is incorrect. The Exporter had clearly responded in the oral hearing by saying that the 'reorganisation by way of affiliation' is nothing but a merger.
- x) The legal structure of the company did not change after merger because it still remains a State Concern of the Peoples Republic of Belarus. The shares of "Grodno Khimvolokno" are merged with JSC "Grodno Azot" leading to termination of the entity "Grodno Khimvolokno". Hence, the apprehensions and contentions of domestic industry with regard to legal structure and implication of the same are all irrelevant. It is reiterated that the scope of the present review covers name change of the exporter only.
- xi) The scope of present review is clearly restricted to change in name only. It has already been clarified that the legal structure of the company did not change after merger because it still remains a State Concern of the Peoples Republic of Belarus. The shares of "Grodno Khimvolokno" are merged with JSC "Grodno Azot" leading to termination of the entity "Grodno Khimvolokno". Thus, the contention of the domestic industry with regard to determination of fresh dumping margin is untenable as the scope of the review itself is restricted to change of name.
- xii) The present request is to restore the legal rights of the exporter which can be done only through making necessary modifications in the notifications to incorporate the change in name. Apprehension of the domestic industry such as expansion plans, expansion in capacity etc of the exporter are out of place as the scope of present review is limited to name change only. There is no facts and basis to such apprehensions. The exporter earlier cooperated with the Authority and the only change in circumstance which necessitated the present review is the change in name of the exporter.
- xiii) The present case is all about a name change to restore the existing legal rights of the applicant which would no way prejudice the interests of other parties.

8. The following are the submissions made by the responding domestic producer during the course of the investigation:

- i. The scope of the present review is limited to mere change of name. So long as the present review is limited to change of name, the domestic industry does not have any objection to such change of name if the same is in accordance with the law.
- ii. There is no known import of the product under consideration from Belarus since 2009-10. The change of name has occurred only recently. However, there were no exports even in the past. It is thus evident that the exporter is unable to export the product without resorting to dumping.
- iii. The anti-dumping duty on the named exporter was USD 0.77 per kg. while the residual duty is US\$ 0.99 per kg. The difference between anti-dumping duty on the named exporter and in the residual category is not so high as to show the position where the exporter could not export with residual duties but would be able to export if the name is changed and the specific duty is assigned. Thus, the objective or the intent of the applicant in the present review is not clear to the domestic industry.
- iv. The meaning of "reorganized by way of affiliation" is not clear. It is vital to understand the change in the legal structure, as it might have direct implications on the resultant dumping margin.
- v. It is also not clear how the exporter is entitled to the same quantum of anti-dumping duty. Both the essential ingredients of dumping margin i.e. normal value and export price are company specific behaviour of the exporter concerned. Different exporter may follow different pricing policies and mechanism. Thus, with the change in management, the normal value and export price may undergo a change; leading to significantly different dumping margin.
- vi. It is also relevant to point out in this regard that the future plans of the exporters are also equally relevant. If the exporter is enhancing its capacities or is planning to restructure its operations, it follows that its behaviour would undergo a significant change, which shall imply a change in dumping margin.

**Post-Disclosure comments made by the interested parties**

9. No relevant post-disclosure comment was made by M/s JSC Grodno Azot, the applicant exporter from Belarus.

10. The following are the post-disclosure comments made by the responding domestic producer:

- i. The change of name has occurred only recently. However, there was no export in the past. Thus the exporter is unable to export the product without dumping.
- ii. The difference between anti-dumping duty on the named exporter and in the residual category is not so high as to show the position where the exporter could not export with residual duties but would be able to export if the name is changed. Thus the objective of seeking change in name by the exporter is not clear.
- iii. The dumping margin being company specific is linked to the decision making of the exporter, which in turn is determined by the ownership. With the change in ownership, the decision making may change, which may result in change in normal value and export price and thus significant dumping.

**Examination by the Authority**

11. The submissions/views/comments made by the interested parties during the course of the investigation including post-disclosure stage are addressed herein below:

- i) The application for change of name has been filed by JSC Grodno Azot. In the original anti-dumping investigation concerning NTCF, "Grodno Khimvolokno", an exporter/producer from Belarus has cooperated with the Authority and the anti-dumping duty on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country was imposed on the producer/exporter combination of Grodno Khimvolokno, Belarus and M/s Kapsco Private Ltd, Singapore. It has been submitted by the applicant that the name change of the producer/exporter has become inevitable as a result of reorganization of JSC "Grodno Khimvolokno" by affiliation to JSC "Grodno Azot". This had resulted in the merger of JSC "Grodno Khimvolokno" with JSC "Grodno Azot" and the entity JSC "Grodno Khimvolokno" ceased to exist. JSC "Grodno Azot" became a successor in all rights and obligations of JSC "Grodno Khimvolokno". The Authority therefore holds that the individual anti-dumping duties conferred on "Grodno Khimvolokno" vide Customs Notification dated 30.10.2009 needs to be made applicable to JSC "Grodno Azot".
- ii) The Authority notes that the merger has occurred as per the prevailing Belarusian law based on the certificates of such mergers provided to the Authority by the applicant
- iii) With regard to the issue of meaning of reorganisation by affiliation, the exporter has clarified that the term 'reorganisation by affiliation' means merger. The Authority notes that JSC "Grodno Azot" became a successor in all rights and obligations of JSC "Grodno Khimvolokno". The Authority further notes that the legal structure of the company did not change after merger and the new company still remains a State Concern of the Peoples Republic of Belarus. The shares of "Grodno Khimvolokno" are merged with JSC "Grodno Azot" leading to termination of the entity "Grodno Khimvolokno".
- iv) It has been clarified in the initiation notification itself that the scope of present review is restricted to change of name only and various submissions by interested parties in this respect are considered and examined in detail.
- v) The Authority holds that the other issues raised by the responding domestic producer are of no relevance to the request of the applicant to change its name.
- vi) The Authority notes that the post-disclosure comments made by the responding domestic producer are presumptuous and devoid of substantiated facts.

**Conclusion and Recommendations**

12. Vide the Final Findings Notification No.14/09/2008-DGAD dated 29.09.2009 the Authority had recommended imposition of anti-dumping duty as follows:

*"107. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, antidumping duty equal to the amount indicated*

*in Col 9 of the table below to be imposed from the date of this notification on all imports of subject goods originating in or exported from Belarus.*

SN	Heading/ subheading	Description of goods	Specification	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Duty amount	Unit	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	5902.10	NTCF	All Grades	Belarus	Singapore	Grodno Khimvo lokno	Kapsco Private Ltd.	0.77	Kg	USD
2	5902.10	NTCF	All Grades	Belarus	Belarus	Grodno Khimvo lokno	Grodno Khimvo lokno	0.77	Kg	USD
3	5902.10	NTCF	All Grades	Belarus	Belarus	Any combination other than at 2 above.		0.92	Kg	USD
4	5902.10	NTCF	All Grades	Belarus	Any country other than Belarus.	Any combination other than at 1 above.		0.92	Kg	USD
5	5902.10	NTCF	All Grades	Any country other than country/ies attracting anti- dumping duty.	Belarus	Any	Any	0.92	Kg	USD

13. Having considered all the aspects of the case, including submissions made by M/s JSC Grodno Azot, the applicant exporter from Belarus and other interested parties, the Authority concludes that the investigation has established that JSC "Grodno Azot" became a successor in all rights and obligations of JSC "Grodno Khimvolokno". The legal structure of the company did not change after merger and the new company still remains a State Concern of the Peoples Republic of Belarus. The shares of "Grodno Khimvolokno" are merged with JSC "Grodno Azot" leading to termination of the entity "Grodno Khimvolokno". This change necessitates change in name of the producer/exporter and amendments to the notification recommending anti-dumping duties on the said producer/exporter.

14. Accordingly, the authority recommends following amendments in the Duty table given at Para 107 of the Final Finding No. 14/09/2008-DGAD dated 29<sup>th</sup> September 2009:

- i) Against Serial No. 1, in Col. 7, the name of the Producer 'Grodno Khimvolokno' may be amended to read as 'JSC Grodno Azot'.
- ii) Against serial No.2, in Col. No.7, the name of the Producer 'Grodno Khimvolokno' may be amended to read as 'JSC Grodno Azot'.
- iii) Against serial No.2, in Col. No.8, the name of the Exporter 'Grodno Khimvolokno' may be amended to read as 'JSC Grodno Azot'.

15. An appeal against the orders of the Central Government arising out of this order shall lie before the Customs, Excise, and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Act.

J. S. DEEPAK, Designated Authority